

प्रेषक,

डॉ० रणबीर सिंह,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य)

देहरादून: दिनांक 08 अगस्त, 2016

विषय- वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुदान संख्या 28 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर योजनाओं की सुसंगत मदों में धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-538/आयोजनेत्तर/2016-17, दिनांक 23.07.2016 द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावानुसार तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016, दिनांक 26.07.2016 में प्रदत्त दिशा-निर्देशों के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय व्ययक में अनुदान संख्या-28 के तहत आयोजनेत्तर मदों में प्राविधानित धनराशि ₹ 115130.00 हजार धनराशि में से ₹ 383.76 लाख अवमुक्त किये जाने के उपरान्त अवशेष धनराशि ₹ 767.54 लाख के सापेक्ष निम्नलिखित वचनबद्ध एवं अवचनबद्ध मदों में ₹ 767.54 लाख (₹ सात करोड़, सड़सठ लाख, चौब्वन हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन आपके निर्वतन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि ₹ हजार में)

क्र० स०	योजना का संक्षिप्त शीर्षक	वित्तीय वर्ष 2016-17 में बजट प्राविधान	पूर्व में अवमुक्त धनराशि	अवशेष धनराशि	अवमुक्त की जा रही धनराशि
-1-	-2-	-3-	-4-	-5-	-6-
1.	01-वेतन	52800	17600	35200	35200
2.	02-मजदूरी	230	77	153	153
3.	03-मंहगाई भत्ता	50200	16733	33467	33467
4.	04-यात्रा भत्ता	550	183	367	367
5.	05-स्थानान्तरण यात्रा भत्ता	200	67	133	133
6.	06-अन्य भत्ते	5620	1873	3747	3747
7.	07-मानदेय	50	17	33	33
8.	08-कार्यालय व्यय	450	150	300	300
9.	09-विद्युत देय	500	167	333	333
10.	10-जलकर/जलप्रभार	80	27	53	53
11.	11-लेखन सामग्री	200	67	133	133
12.	12-कार्यालय फर्नीचर कय	100	33	67	67
13.	13-टेलीफोन व्यय	120	40	80	80
14.	15-गाडियों का अनुरक्षण	800	267	533	533
15.	16-व्यावसायिक सेवा	1500	500	1000	1000

16.	17-किराया, उपशुलक	200	67	133	133
17.	18-प्रकाशन	70	23	47	47
18.	19-विज्ञापन, विक्री	60	20	40	40
19.	22-आतिथ्य व्यय	40	13	27	27
20.	26-मशीनें और सज्जा	200	67	133	133
21.	27-चिकित्सा प्रतिपूर्ति	550	183	367	367
22.	29-अनुरक्षण	110	37	73	73
23.	42-अन्य व्यय (मतदेय)	40	13	27	27
24.	44-प्रशिक्षण	100	33	67	67
25.	45-अवकाश यात्रा सुविधा	100	33	67	67
26.	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर	100	33	67	67
27.	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण	160	53	107	107
	योग	115130	38376	76754	76754

1. धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016, दिनांक 26.07.2016 एवं सुसंगत शासनादेशों में दिये गये दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबन्धों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

2. पूर्व में अवमुक्त धनराशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये जाने के पश्चात ही उक्त धनराशि अवमुक्त की जायेगी। धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।

3. स्वीकृत धनराशि का उपयोग शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी आदेशों व वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।

4. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक प्रतिमाह की 5 तारीख तक बी0एम0-08 प्रपत्र पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।

5. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

6. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें, उनमें स्पष्टरूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जायेगा।

7. अवमुक्त की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2016 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।

8. किसी भी क्रय/विक्रय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, (समय-समय पर यथा संशोधित) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग (लेखा नियम), आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय साथ ही मितव्ययता संबंधी आदेशों, डी.जी.एस.एन.डी. की दरें, टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाये।

9. किसी भी दशा में एक मद की धनराशि दूसरे मद में व्यय नहीं की जाये अन्यथा की स्थिति में सक्षम अधिकारी का पूर्णतः उत्तरदायित्व होगा, जो बिल को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ संबंधित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।

10. सुनिश्चित किया जाय कि (वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के पैरा-162) समस्त आहरित अग्रिमों का समायोजन आहरण-वितरण अधिकारियों द्वारा 30 दिनों के अन्दर कर दिया जाय तथा डीटेल्ड कन्टीजेन्ट (डी0सी0) बिल महालेखाकार को भेज दिये जाय। विभिन्न अग्रिमों का आहरण अधिकारों के प्रतिनिधायन 2010 में दी गयी सीमाओं के अनुसार ही किया जाय।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2405-मछली पालन-00-आयोजनेत्तर-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-अधिष्ठान के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016, दिनांक 26 जुलाई, 2016 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉ० रणबीर सिंह)
अपर मुख्य सचिव

संख्या- 315 (1)/XV-3/2016-08(05)/2016(बजट), तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. निजी सचिव, मा0 मंत्री, मत्स्य, उत्तराखण्ड सरकार को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रेषित।
5. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(जी०बी० ओली)
अपर सचिव

